दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 ‖ Postal Registration No-055/Raigarh DN CG ‖ रायगढ़, शुक्रवार 17 अप्रैल 2020 ‖ पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए ‖ वर्ष-02, अंक- 197

महत्वपूर्ण एवं खास

वायुसेना के चीता हेलिकाप्टर की आपातकालीन लैंडिंग

नईदिल्ली (आरएनएस)। एक चीता हेलिकाप्टर लेह के टेस्ट सैपलों को ले जाने के कोविड-19 कार्य के लिए हिंडन से चंडीगढ़ जा रहा था। हिंडन से लगभग 3 एनएम आगे वायुयान में एक तकनीकी बाधा आ गई और उसे आउटर रिंग रोड राजमार्ग पर सुरक्षित लैंडिंग करनी पड़ी। पायलटों द्वारा की गई कार्रवाई त्वरित और सटीक थी। किसी भी संपत्ति को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। तत्काल हिंडन से रिकवरी वायुयान भेजा गया। वायुयान को दुरुस्त कर लिया गया और वह तत्काल तथा सुरक्षित तरीके से हिंडन वापस आ गया।

53 देशों में 3 हजार से अधिक भारतीय कोरोना से संक्रमित

नई दिल्ली (आरएनएस)। कोरोना वायरस लगभग पूरी दुनिया को अपनी चपेट में ले लिया है। कई देश इस महामारी से जूझ रहे हैं और हजारों की संख्या में लोगों की मौत भी हो रही है। सरकारी के सूत्रों के सूत्रों के हवाले से बताया है कि 53 ऐसे देश हैं जहां पर 3 हजार 336 भारतीय कोरोना वायरस से संक्रमित हैं। जबकि 25 लोगों की मौत हो गई है। हालांकि, अभी यह साफ नहीं हुआ है कि किस देश में कितने भारतीय कोरोना वायरस से संक्रमित है और कितने की मौत हो चुकी है। विश्व के 185 से अधिक देशों में इस महामारी से 20 लाख से अधिक लोग संक्रमित हो चुके हैं।

जूम मीटिंग प्लेटफॉर्म के सुरक्षित उपयोग पर गृह मंत्रालय ने किया परामर्श जारी

नईदिल्ली (आरएनएस)। गृह मंत्रालय के तहत साइबर कॉर्डिनेशन सेंटर (साइकॉर्ड) ने निजी व्यक्तियों द्वारा जूम मीटिंग प्लेटफॉर्म के सुरक्षित उपयोग पर परामर्शी जारी किया है। इस परामर्शी में कहा गया है कि यह प्लेटफॉर्म सरकारी अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा आधिकारिक उद्देश्यों हेतु उपयोग के लिए नहीं है। दस्तावेज में इंडियन कंप्यूटर इमर्जेंसी रिस्पांस टीम (सीईआरटी-इन) के आरंभ के परामर्शों का संदर्भ दिया गया है और कहा गया है कि जूम सुरक्षित प्लेटफॉर्म नहीं है। ये दिशानिर्देश उन निजी व्यक्तियों की सुरक्षा के लिए जारी किए गए हैं जो अभी भी निजी उद्देश्यों के लिए इस प्लेटफॉर्म का उपयोग करना चाहेंगे।

पिज्जा डिलीवरी बॉय निकला कोरोना मरीज

नईदिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली में कोरोना के बढ़ते कहर के बीच गुरुवार को एक बड़ी खबर सामने आई है। यहा एक पिज्जा डिलिवरी करने वाला शख्स कोरोना संक्रमित निकला है। इसके संपर्क में आए साउथ दिल्ली के हौज खास और मालवीय नगर के 72 घरों को होम चारनटीन किया गया है। साउथ दिल्ली जिले के डीएम बीएन मिश्रा ने बताया कि डिलिवरी ब्वॉय के संपर्क में 72 लोग आए थे। अभी तक इन लोगों का टेस्ट नहीं किया गया है। सभी लोगों को होम चारंनटीन किया गया है। अगर इन लोगों में कोरोना के लक्षण मिलते हैं तो इनकी जांच की जाएगी। अधिकारियों ने इन सभी 72 लोगों की पहचान गुप्त रखी है।

विद्युत सीपीएसयू एनटीपीसी अपने सभी अस्पतालों का उपयोग कोरोना मरीजों के उपचार के लिए कर रहा

» 168 आइसोलेशन बिस्तरों समेत 122 अतिरिक्त बिस्तर उपलब्ध कराने तत्पर

नईदिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय विद्युत और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री आर. के. सिंह के आह्वान को स्वीकार करते हुएविद्युत मंत्रालय के तहत केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम(सीपीएसयू)एनटीपीसी लिमिटेड कोरोना वायरस(कोविड-19) को फैलने से रोकने के लिए निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने और मानवीय राहत उपायों के लिए अपने बुनियादी ढांचे और सीएसआर फंड का उपयोग दोनों ही कार्य सक्रियता के साथ काम कर रहा है। वैश्विक महामारी कोविड-19 के खिलाफ अपनी सतर्कता बढ़ाते हुएएनटीपीसीपहले से ही अपने 45 अस्पतालों/स्वास्थ्य इकाइयों का उपयोग आइसोलेशन सुविधाएं बनाने में कर चुका है और ऐसे मामलों को प्रभावी ढंग से संभालने के लिए चिकित्सा कर्मचारियों के लिए अपेक्षित उपकरणों की खरीद कर चुका है। सभी अस्पतालों/स्वास्थ्य इकाइयों में ऑक्सीजन आपूर्ति सहित लगभग 168 आइसोलेशन बिस्तर तैयार किए गए हैं और जरूरत के आधार पर 122 अतिरिक्त बिस्तर उपलब्ध कराए जा सकते हैं। कोविड मामलों से निपटने के लिए दिल्ली के बदरपुर स्थित अस्पताल और ओडिशा के सुंदरगढ़ के मेडिकल कॉलेज अस्पताल सहित दो अस्पताल राज्य सरकारों के उपयोग के लिए तैयार किए गए हैं।

उपयुक्त स्वास्थ्य सेवा उपकरणों की उपलब्धता और उन तक पहुंच मौजूदा समय की आवश्यकता है, इसलिए उपकरण खरीद के लिए लगभग 3 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है। वर्तमान मेंएनटीपीसी के परियोजना अस्पतालों में 7 वेंटिलेटर हैं। विभिन्न अस्पतालों के लिए वेंटिलेटर सहित18 उन्नत स्तर की एंबुलेंस, 18 अतिरिक्त वेंटिलेटर और 520 आईआर थर्मामीटर खरीद की प्रक्रिया में हैं।

व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) और हैंड सैनिटाइजेशन इस खतरनाक कोरोना वायरस के खिलाफ सबसे बड़े रोकथाम तंत्र के रूप में उभरे हैं, इसलिए एनटीपीसीने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी किए गए परीक्षण, उपचार और परिवहन संबंधी दिशानिर्देश सभी सीएमओके साथ साझा किए हैं। चिकित्साकर्मियों को व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) के उपयोग के बारे में वीडियो कॉल के माध्यम से भी प्रशिक्षित किया गया है। इसके अलावा 1200 पीपीई किट, 1,20,000 सर्जिकल मास्क और 33,000 से अधिक दस्ताने, 5000 एप्रन, 8000 शू कवर और 535 लीटर सैनिटाइजर सभी परियोजना और स्टेशनों को भेजे गए हैं।

मौजूदा समय में रोकथाम सबसे महत्वपूर्ण प्रतीत हो रही हैइसलिए एनटीपीसी की अनेक इकाइयों ने रोकथाम और राहत कार्यों का दायित्व लिया है और अब तक इस उद्देश्य के लिए 3.50 करोड़ रुपये की राशि समर्पित की गई है। कोरोनो वायरस से निपटने के लिए राज्य सरकारों को सहायता देने की अपनी पहल के तहत एनटीपीसीभद्रक में 120-बिस्तर वाले सालंदी अस्पताल के किराये का खर्च वहन करने तथा कोविड-19 केयर सेंटर के सुचारू परिचालन के लिए अस्पताल में संलग्न चिकित्सा और अर्द्धचिकित्सा कर्मियों के लिए रहने और भोजन व्यवस्था में सहायता देने के लिए प्रति माह 35 लाख रुपये का योगदान देकर ओडिशा सरकार की मदद कर रहा है।कोविडकेयर सेंटर के संचालन और रखरखाव के लिए 1.05 करोड़ रुपये के कुल वित्तीय निहितार्थ सहित 3 महीने के लिए वित्तीय सहायता की जाएगी।

इतना ही नहीं, एनटीपीसी इस महामारी से निपटने के लिए चिकित्सा सहायताऔर पीपीई, खाद्य पैकेटों के वितरण की व्यवस्था करने के लिए जिला प्रशासन / स्थानीय अधिकारियों को 6.36 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है।

ईपीएफओ ने 15 दिनों में 3.31 लाख कोविड-19 दावों का किया निबटारा

» पीएफ खाताधारकों को दिए 950 करोड़ रुपये

नईदिल्ली (आरएनएस)। कोविड-19 महामारी के चलते पैदा हुए संकट को देखते हुए प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना (पीएमजीकेवाई) पैकेज के तहत ईपीएफ योजना से विशेष निकासी के उद्देश्य से 28 मार्च, 2020 को अधिसूचित प्रावधान ने देश के कामकाजी वर्ग को समयबद्ध राहत उपलब्ध कराई गई है।

इस कार्यक्रम की शुरुआत के बाद सिर्फ 15 दिनों में कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने 946.49 करोड़ रुपये के 3.31 लाख दावों का निस्तारण कर दिया है। इसके अलावा इस योजना के अंतर्गत छूट प्राप्त पीएफ ट्रस्टों द्वारा 284 करोड़ रुपये का वितरण किया गया है, जिसमें टीसीएस का नाम उल्लेखनीय है। इस प्रावधान के अंतर्गत तीन महीने तक का मूल वेतन या ईपीएफ खाते में जमा कुल धनराशि की 75 प्रतिशत तक रकम में से जो भी कम हो, का गैर वापसी योग्य भुगतान स्वीकार्य है। सदस्य इस सीमा से कम धनराशि के लिए भी आवेदन कर सकता है। अग्रिम के रूप में दिए जाने के कारण इस पर आयकर कटौतियां लागू नहीं होती हैं।

ईपीएफओ इस संकट के दौर में अपने सदस्यों की सेवा के लिए प्रतिबद्ध है और ईपीएफओ कार्यालय ऐसे विपरीत हालात में भी आवश्यक सेवाओं को जारी रखे हुए है। लॉकडाउन की अवधि के दौरान ईपीएफओ की ऑनलाइन सेवाओं के माध्यम से इन सुविधाओं की उपलब्धता से जरूरतमंद खाताधारकों को खासी राहत मिली है।

20 अप्रैल से खरीद सकेंगे मोबाइल, टीवी, जैसे सामान

» लोगों तक ई-कॉमर्स कंपनियां करेगी होम डिलीवरी

नई दिल्ली (आरएनएस)। अमेजन, फ्लिपकार्ट और स्नैपडील जैसी ई-वाणिज्य कंपनियो के माध्यम से मोबाइल फोन, टेलीविजन, रेफ्रिजरेटर, लैपटॉप और साफ-सफाई से जुड़े उत्पादों की बिक्री की अनुमति 20 अप्रैल से होगी।

केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला द्वारा जारी संशोधित दिशानिर्देशों का हवाला देते हुए बृहस्पतिवार को यह जानकारी देते हुए मंत्रालय ने कहा कि तीन मई तक लॉकडाउन बढ़ाये जाने के दौरान को लेकर जारी संशोधित दिशानिर्देश के अनुसार मोबाइल फोन, टीवी, लैपटॉप जैसे इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद ई-वाणिज्य कंपनियों के मंच पर 20 अप्रैल से उपलब्ध होंगे। हालांकि इन सामानों की डिलिवरी करने वाले वाहनों को सड़कों पर चलाने के बारे में संबंधित प्राधिकरण से मंजूरी लेनी होगी। गौरतलब है कि एक दिन पहले बुधवार को जारी दिशानिर्देश के अनुसार वाणिज्यिक और निजी प्रतिष्ठानों को बंद के दूसरे चरण में काम करने की अनुमति दी गयी है। मंत्रालय ने कहा कि ई-वाणिज्य कंपनियों के वाहनों को जरूरी मंजूरी के साथ सड़कों पर चलने की अनुमति होगी। इससे पहले की अधिसूचना में गृह मंत्रालय ने स्पष्ट तौर पर कहा था कि ई-वाणिज्य कंपनियों को खाने का सामान, औषधि और चिकित्सा उपकरण जैसे केवल जरूरी जिंसों की आपूर्ति की अनुमति होगी। इन दिशानिर्देश में जरूरी और गैर-जरूरी जिंसों के बारे में स्पष्टीकरण नहीं किया गया था। सरकार के इस कदम को औद्योगिक और वाणिज्यिक गतिविधियां शुरू करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। ये गतिविधियां 25 मई से जारी बंद से ठप हैं। बड़ी संख्या में लोग ई-वाणिज्य कंपनियों के 'लाजिस्टिक' औरसामानों की आपूर्ति के काम से जुड़े हैं। इन क्षेत्रों को खोलकर सरकार कर्मचारियों के एक बड़े तबगे के हितोंकी रक्षा करना चाहती है। दिशानिर्देश में यह भी कहा गया है कि जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति श्रृंखला से संबद्ध सभी सुविधाओं को परिचालन की अनुमति मिलनी चाहिए।

मॉरीशस और सेशेल्स को भी भारत ने भेजी जीवन रक्षक दवाएं

» कोरोना का प्रकोप

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत ने मॉरीशस और सेशेल्स को कोरोना वायरस महामारी से निटपने के लिए हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन दवा सहित जीवन रक्षक दवाओं का उपहार दिया। भारतीय उच्चायोग ने इस बात की पुष्टि की है कि मॉरीशस की उपप्रधानमंत्री लीला देवी एल डूकुन ने दिल्ली से एयर इंडिया के विशेष कार्गो विमान से हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन की पांच लाख गोलियों की खेप पहुंचने पर भारत का आभार जताया है।

कोविड-19 वैश्विक महामारी के कारण उत्पन्न अभूतपूर्व मौजूदा कठिन स्थिति को देखते हुए भारत से इसके निर्यात पर प्रतिबंध जारी रहने के बावजूद इसकी यह खेप मानवीय पहलू को ध्यान में रखते हुए पहुंचायी गई। मॉरीशस उन कुछ देशों में से एक है जिसने कुछ देशों को प्रदान की गयी विशेष छूट के तहत इस दवा की आपूर्ति प्राप्त की। यह हमारे दोनों देशों के बीच अद्वितीय संबंधों को प्रदर्शित करता है। उसने कहा कि यह खेप मॉरीशस के लिए भेजी गई 13 टन आवश्यक जीवन रक्षक दवाओं का हिस्सा थी। यह आवश्यक दवाओं की पहली खेप है और आने वाले हफ्तों में एक दूसरी खेप आएगी। भारत ने साथ ही कोविड-19 संकट के मद्देनजर सेशेल्स को चार टन आवश्यक जीवन रक्षक दवाओं की पहली खेप भी भेंट की। सेशेल्स में भारत के उच्चायोग द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि ये दवाएं सेशेल्स सरकार से अनुरोध के आधार पर खरीदी गई थीं। यह खेप एअर इंडिया के विशेष चार्टर बोइंग 787 की उड़ान से सेशेल्स में लाई गई।

एंबुलेंस में मरीज की जगह सवारी बैठाने पर 9 गिरफ्तार

नईदिल्ली (आरएनएस)। दक्षिणी जिला पुलिस ने नौ लोगों को बुधवार को धोखाधड़ी के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार लोगों में आठ सवारियां और एक एंबुलेंस चालक है। पकड़े गये आठ लोग मरीज और तीमारदार बनकर एंबूलेंस में यात्रा कर रहे थे। दक्षिणी जिला पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, इन लोगों को रजोकरी इलाके से पकड़ा गया है। पूछताछ में पता चला कि, एंबुलेंस मानेसर से उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले में जानी थी। उससे पहले ही दिल्ली में पकड़ लिये गये।

पुलिस ने एंबुलेंस में बैठे लोगों से जब पूछताछ की तो वे बहाने बनाने लगे। थोड़ी ही देर में झूठ साबित हो गया। पता चला है कि यूपी नंबर की एंबुलेंस पहले मानेसर बुलवाई गयी थी। फिर सब मानेसर से बाया दिल्ली यूपी के लिए रवाना हुए थे। एक शख्स को बाकायदा मरीज बनाकर लिटाया हुआ था।

मोदी सरकार ने दी आईटी कंपनियों को किराये में 4 महीने की छूट

नईदिल्ली (आरएनएस)। कोविड-19 के प्रकोप और उसके बाद लॉकडाउन से उत्पन्न चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए, नरेन्द्र मोदी सरकार ने आज एक बड़ा फैसला लेते हुए भारत के सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्कों (एसटीपीआई) से संचालित छोटी आईटी इकाइयों को किराये के भुगतान से राहत प्रदान की है। इनमें से अधिकतर इकाइयां या तो टेक एमएसएमई या स्टार्टअप हैं।

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) ने देश के एसटीपीआईपरिसरों में स्थित इन इकाइयों को 01.03.2020 से 30.06.2020 तक यानी 4 महीने की अवधि के लिए किराये में छूट प्रदान करने का निर्णय लिया है।

भारत का सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क (एसटीपीआई) भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत एक स्वायत्तशासी सोसाइटी है और इसके देश भर में 60 केन्द्र हैं। इन केन्द्रों स्थित इकाइयों को किराये में छूट प्रदान करने की पहल से कोविड-19 महामारी के कारण उभरी संकट की स्थिति में उद्योग को राहत मिलेगी। यह पहल इन 60 एसटीपीआई केन्द्रों से संचालित लगभग 200 आईटी / आईटीईएस एमएसएमई को लाभ प्रदान करेगी।

कोरोना को खत्म करने एक होकर लड़ना होगा: राहुल

नई दिल्ली (आरएनएस)। कोरोना वायरस को लेकर पूरे देश में लॉक डाउन को लेकर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि वह पिछले काफी समय से बड़ी संख्या में एक्सपर्ट्स से बात कर रहे हैं। स्थिति बहुत गंभीर है। लॉकडाउन वायरस का हल नहीं है। राहुल ने टेस्टिंग की रणनीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि लॉकडाउन वायरस का कोई हल नहीं है। यह सिर्फ एक पॉज बटन है। हमें रणनीति बनानी होगी। टेस्टिंग बढ़ानी होगी और रणनीतिक तौर पर इसका इस्तेमाल करना होगा। अगर कोरोना वायरस से लड़ना है तो टेस्टिंग को बड़े पैमाने पर बढ़ाना होगा। हमें उन इलाकों में भी टेस्टिंग करनी होगी जहां केस नहीं हैं।कांग्रेस नेता ने कहा कि जो हुआ वह हो गया लेकिन अब इमर्जेंसी सिचुएशन है। अब आगे देखते हैं और मिलकर हिंदुस्तान यूनाइट होकर कोरोना से लड़े। इससे देश को भी फायदा होगा। रणनीतिक तौर पर काम करें। लॉकडाउन हुआ तो बात बनी नहीं बल्कि पोस्टपोन हुई है। रिसोर्सेज को स्टेट के हाथ दीजिए। राज्यों को जीएसटी दीजिए। मुख्यमंत्रियों और जिलों के प्रशासन से खुलकर बात कीजिए और उनकी जो जरूरतें हैं उन्हें पूरा कीजिए।इससे पहले बुधवार को उन्होंने ट्वीट कर मोदी सरकार पर हमला बोला था कि गोदामों में अनाज सड़ रहे हैं लेकिन सैकड़ों लोग भूखे पेट सो रहे हैं। उन्होंने ट्वीट किया, च्हम सरकार से अपील करते हैं कि इस संकट में आपातकाल राशन कार्ड जारी किए जाएँ।ये उन सभी के लिए हों जो इस लॉकडाउन में अन्न की कमी से जूझ रहे हैं।लाखों देशवासी बिना राशन कार्ड के पीडीएस का लाभ नहीं उठा पा रहे हैं।

दवा उत्पादन में आएगी तेजी

नईदिल्ली (आरएनएस)। नोवेल कोरोनावायरस के कारण हुए लॉकडाउन के दौरान दवाओं का संकट पैदा न हो, इसके लिए सरकार उत्पादन में तेजी लाने में जुटी है। दवाओं को बनाने की राह को और आसान करने की कवायद हुई है। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन (ईआईए) अधिसूचना 2006 में संशोधन किया है। जिसके बाद तमाम बीमारियों के इलाज के लिए विनिर्मित थोक दवाओं के सभी प्रोजेक्ट को मौजूदा ए कैटेगरी से बी2 कैटेगरी में फिर से वर्गीकृत किया गया है।

तबलीगी मरकज के मुखिया साद की टेस्ट रिपोर्ट आई निगेटिव!

» दो रिश्तेदार निकले पॉजिटिव

नई दिल्ली(आरएनएस)। तबलीगी मरकज के मुखिया मौलाना साद की कोरोना टेस्ट रिपोर्ट निगेटिव पाई गई है, जबकि उसके 2 रिश्तेदार कोरोना पीड़ित पाए गए हैं। सूत्रों की मानें तो साद के कोरोना टेस्ट की रिपोर्ट निगेटिव आई है। साथ ही यह खबर भी आ रही है कि मौलाना साद दिल्ली के जाकिर नगर इलाके में ही है। निजी डॉक्टरों की टीम उसका चेकअप कर रही है। जो दो रिश्तेदार कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं, वे यूपी के सहारनपुर के रहने वाले हैं। दोनों रिश्तेदारों के बारे में कहा जा रहा है कि वे मरकज़ आए थे।

मौलाना साद के दो रिश्तेदारों को कोरोना पॉजिटिव होने की खबर मिलते ही सहारनपुर प्रशासन ने मुफ्ती इलाके को सील कर दिया है। किसी को भी उस इलाके में आने-जाने की इजाज़त नहीं है। वहां भारी संख्या में पुलिसबल की तैनाती की गई है। उधर, तब्लीगी जमात के लोगों को ढूंढने के लिए दिल्ली सरकार की 13 हजार टीम अब दिल्ली के हर मोहल्ले और कॉलोनी में कोरोना संक्रमित को तलाशने के लिए निकल रही है। दावा किया जा रहा है कि अब जमाती घर में हों या मस्जिद में उनकी जानकारी आसानी से मिल जाएगी।

दिल्ली सरकार की इस टीम को कोरोना फुट वॉरियर्स कंटेंटमेंट एंड सर्विलांस टीम का नाम दिया गया है। टीम में पांच लोग हैं, जो स्थानीय होंगे। यहां तक कि दिल्ली पुलिस के बीट सिपाही को भी इसमें शामिल किया गया है। यह टीम घर-घर जाएगी। स्थानीय होने के चलते ये लोग आसानी से जानकारी जुटा सकेंगे। सिपाही के अलावा सिविल डिफेंस के वॉलंटियर और आशा वर्कर या आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को भी इसमें अहम जिम्मेदारी दी गई है।